विषय :- फीचर का अर्थ, परिभाषा व स्वरूप।

(1) फीचर की भूमिका :- 'फीचर' सृजनात्मक लेखन की अत्यंत महत्वपूर्ण विधा है। फीचर में किसी घटना, सूचना अथवा प्रसंग की पृष्ठभूमि पर आधारित सामग्री होती है। फीचर भी समाचार पत्रों का मुख्य भाग होता है क्योंकि समाचार पत्रों में न केवल सूचनाएँ (समाचार) दिए जाते बल्कि इसके साथ-साथ फीचर लेखन, विज्ञापन आदि को भी शामिल किया जाता है तो वर्तमान में फीचर को जानना व समझना अति आवश्यक है जिस का वर्णन निम्नलिखित है।

(2.) फीचर का अर्थ :- फीचर का शाब्दिक अर्थ है - 'रूपरेखा', 'आकृति', 'लक्षण' अथवा व्यक्तित्व। पत्रकारिता में फीचर शब्द का प्रयोग 'विशेष आलेख' के रूप में होता है। आकाशवाणी में इसे 'रूपक' तथा रेडियो नाटक' के रूप में जाना जाता है। दूरदर्शन में इसे 'वृत्तचित्र' कहते हैं। इसके माध्यम से किसी भी स्थिति, परिवेश अथवा वातावरण का वृतीय रोचक तथा कौतूहलपूर्ण रूप से प्रस्तुत किया जा सकता है।

(3) फीचर की परिभाषा :- फीचर के बारे में अलग-अलग विद्वानों ने अपने-

Scanned by CamScanner

अपने मतानुसार विचारों को अभिव्यक्त किया है। जो निम्नलिखित है।

(1) मधुकर गंगाधर के अनुसार " फीचर लेख से छोटा, गद्य-काव्य की शैली में लिखी गई ऐसी रचना होती है, जिसमें भाषा के चुटीलेपन तथा विषय की विशिष्टता के कारण ऐसी सामग्री पाठक को मिल जाती है जिसे पढ़कर पाठक का ज्ञानवर्धक और मनोरंजन होता है "

(2) डॉ विजय कुलश्रेष्ठ के अनुसार " फीचर एक ऐसा आलेख है, जो समाचार के परिपार्श्व में समाचार रहित भावनायुक्त, सम्मोहक, वैचारिक, क्षितिज का मनोरंजनपरक संस्पर्श लिए हुए सरस और अभिव्यक्ति से सम्पन्न हो।

परिभाषा निष्कर्ष :- इन परिभाषाओं के आधार पर कह सकते है कि, फीचर किसी सत्य घटना को आधार बना कर इस प्रकार लिखा जाता है कि वह पाठक की आँखो के सम्मुख उस घटना का चित्र खींचकर रख देता है। किसी विषय से संबंधित होते हुए भी वह बोझिल नही होता तथा पाठ का रोचक ढंग से मार्गदर्शन करता है। जोकि फोटो व चित्रों की सहायता से सम्भव है।

Scanned by CamScanner